NEWSLETTER

GOLD : 50603
SILVER : 60440
CRUD OIL : 8381

Download Our App **"SIS CONNECT"** For Daily Updates.

25/06/2022

डिमांड और सप्लायके आधार पर तय होंगे इंडिया में कपास और सोया के दाम

कॉटन हो या कोई भी दूसरी फसल, उसके भाव में तेजी या मंदी आना उसकी डिमांड और सप्लाय चेन पर निर्भर करता है। प्रोडक्शन कम होता है तो भाव में तेजी आ जाती है, ठीक इसी प्रकार प्रोडक्शन ज्यादा हो तो भाव कम हो जाते है। इस सीजन कॉटन के जो भाव बढ़े है तो भी डिमांड एंड सप्लाय चेन का ही परिणाम है। आने वाले सीजन की बात करें तो यह तय है कि भारत में कॉटन क्रॉप में इजाफा होगा लेकिन यदि वैश्विक स्तर पर कॉटन की उपज कम होती है तो भी किसानों को इस साल की तरह ही अच्छे दाम मिलने की पूरी संभावना है। यह कहना है महाराष्ट्र एग्रीकल्चर कमीशन के पूर्व चेयरमैन पाशा पटेल का।

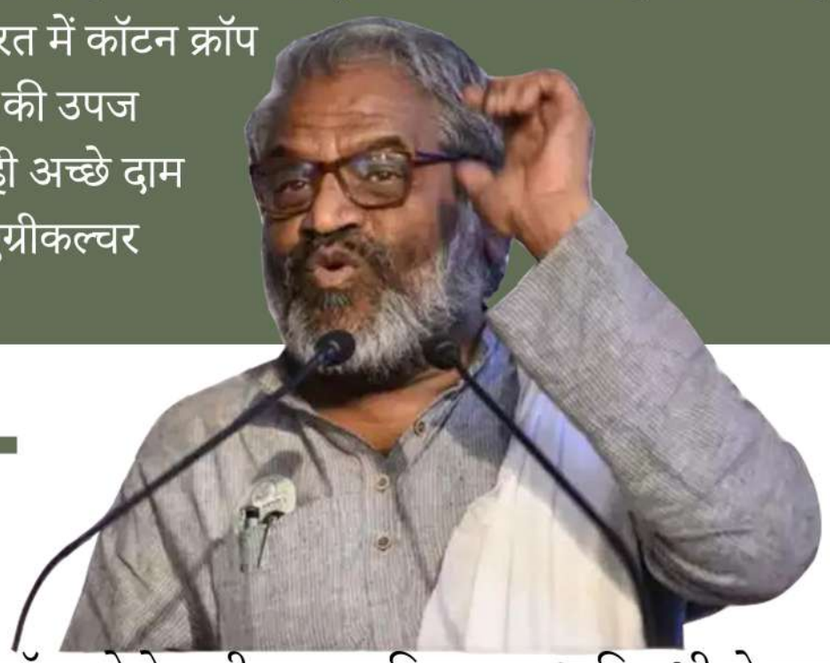

एमएसपी बढ़ानाअच्छा कदम

किसानों के हित में लगातार काम कर रहे पाशा जी ने सरकार द्वारा एमएसपी बढ़ाने की बात पर खुशी जाहिर की। उन्हों ने कहा सरकार के इस कदम से किसानों को राहत मिलेगी। क्योंकी लेबर कॉस्ट,पेटोल, डीजल, फर्टिलाइजर आदि सभी के दाम तेजी से बढ़े है, ऐसे में किसानो की लागत भी बढ़ गई है। एमएसपी बढ़ाने से इस लागत को बैलेंस करने में किसानों को मदद होगी।

लेबर कॉस्ट बढ़ाए सरकार

पाशा जी ने बताया कि इनदिनों किसानो के लिए खेती में सबसे बड़ी समस्या लेबर का ना मिल पाना और धरती पर तेजी से बढ़ता तापमान है। वे बताते है मेरे गांव में 250 लेबर पैमेंट है। इतने कम अमाउंट पर पूरे दिन की मजदूरी इस महंगाई के दौर में बहुत मुश्किल है। मेरी सरकार से अपील है कि कुछ नई नीतियां बनाएं और लेबर कॉस्ट को बढ़ाए।

पर्यावरण को बचाना जरूरी

इन्होंने बताया कि क्रेडा नामक एक संस्था की रिपोर्ट के मुताबकि धरती पर बढ़ रहे तापमान की वजह से 2030 के बाद 40 प्रतिशत अनाज का प्रोडक्शन बंद हो जाएगा। ये बेहद गंभीर विषय है हम सभी के लिए। इस गंभीर विषय को ध्यान में रखते हुए पाशाजी ने ग्लोबल वार्मगिपर अवेयरनेस का काम शुरू किया है। फिलहाल में बांस की खेती को बढ़ावा दे रहे है। क्योंकि कोयला जलाने से 33 प्रतिशत धुंआ निकलता है जबकि बांस जलाने से केवल 3 प्रतिशत धुंआ निकलता है जबकि दोनों की कैलरिक वैल्यू समान है।

सोयाबीन की ओर शिफट हो रहे कसिान

महाराष्ट में कपास का बेल्ट भी सोयाबीन की ओर शिफट होता जा रहा है क्यो कि भाव दोनों ही फसलों के बढ़े है। फिलहाल पंजाब में 42 लाख हैक्टेयर में सोया और 40 लाख हैक्टेयर में कपास लगाया जा रहा है।

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 18.06.2022

ICE COTTON			
MONTH	10.06.22	17.06.22	WEEKLY CHANGE
JULY	145.06	143.45	-1.61
DEC	122.36	118.29	-4.07
MARCH	117.84	114.15	-3.69
MCX (BALES)			
JUNE	47040	47270	230
JULY	44600	46400	1800
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1709	1738	29
NCDEX (COCUD KHAL)			
JUNE	2854	2772	-82
JULY	2876	2782	-94
AUG	2924	2812	-112

एक्सचेंज मार्केट में जबरदस्त गिरावट वाला सप्ताह

इस सप्ताह इंटरनेशनल और नेशनल दोनों ही एक्सचेंज मार्केट में जबदस्त गिरावट का माहौल रहा। एक्सपर्ट की माने तो इस पूरे कॉटन सीजन में इस सप्ताह सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सीजन में पहली बार केवल एक सप्ताह में आइस कॉटन का जुलाई महीने का वीकली चैंज माइनस 39.69 सेंट रहा। एमसीएक्स और एनसीडीएक्स पर भी मार्केट काफी नीचे गिरा। देखिए वीकली चैंज पर आधारित एक्सचेंज मार्केट की यह स्पेशल रिपोर्ट

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

SMART INFO SERVICES

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	277.05	281.35	245.5	10.78%
अरविद लिमिटेड	89.5	91.75	82	4.07%
वेलसपन इंडिया	74.1	74.55	67.05	6.54%
नितिन स्पिनर्स	194.9	205.8	170.65	8.28%
रेमण्ड	854.6	895.2	797	-3.33

20 जून से 26 जून के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

पिछले कुछ महीनों से शेयर मार्केट में गिरावट का माहौल था जिसका असर टेक्स्टाइल कंपनीज के निवेशकों पर भी पड़ा। लेकिन पिछला सप्ताह टेक्सटाइल निवेशकों के लिए मिलाजुला रिस्पॉन्स वाला कहा जा सकता है। दरअसल पिछले महीने के मुकाबले इस बार लगभग सभी कंपनी की शेयर वेल्यु में थोड़ी कमी तो आई लेकिन कंपनीज के मार्केट कैप में पॉजीटिव बदलाव देखने को मिला। आइए जानते है बीएससी के मंच पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की रिपोर्ट